कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम कार्यक्रम शुभारंभ मुख्य अतिथि मांडू प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री संजय कोंगारी, विशिष्ट अतिथि मांडू के अंचलाधिकारी श्री मोदस्सर नजर मंसूरी, एसबीआई, मांडू की शाखा प्रबंधक श्रीमती प्रीति लता, मांडू की बाल विकास परियोजना अधिकारी, (सीडीपीओ) श्रीमती प्रतिभा कुमारी एवं कृषि विज्ञान केंद्र, रामगढ़ के प्रधान डॉ. सुधांशु शेखर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में आए किसानों एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं को पर्यावरण के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारा एकमात्र आवास है और इसका संरक्षण करना हमारा सामूहिक दायित्व है। आज के दिवस का उद्देश्य पर्यावरण के मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। प्रदूषण जलवायु परिवर्तन वनों की कटाई जैसी समस्याओं से निपटने के लिए हमें खुद के साथ-साथ लोगों को भी जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए हमें पेड़ लगाने के साथ-साथ लगाए गए पेड़ों की देखभाल एवं सुरक्षा का भी दायित्व निभाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि ने किसानों एवं सेविकाओं को कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें सिर्फ एक दिन पर्यावरण के बारे में सोचने के लिए नहीं बल्कि हर दिन पर्यावरण के प्रति सचेत रहने और उसे बचाने के लिए जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखने में के लिए हर व्यक्ति को हर वर्ष कम से कम 1 से 2 पेड़ अवश्य लगाना चाहिए एवं उसकी देखभाल तथा सुरक्षा भी करनी चाहिए। जिससे हमारे आने वाली पीढियों के लिए एक स्वच्छ वातावरण बना रह सके। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान डॉ. सुधांशु शेखर कहां की हमारा देश कृषि प्रधान देश है और उन्नत कृषि मे स्वच्छ पर्यावरण अहम भूमिका है। वर्तमान समय में वनों की कटाई एवं पेड़ों के अभाव के कारण उत्पन्न हो रहे दुष्प्रभाव को हम दिन प्रतिदिन झेल रहे हैं। तापमान बढ़ता जा रहा है, वर्षा की कमी हो रही है और बिना जल के कृषि संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें अपने गांव की मिट्टी व जल को अपने गांव में रखने के लिए हर खेत में मेड एवं मेड पर पेड़ लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस पर्यावरण दिवस का मुख्य विषय है "हमारी मिट्टी, हमारा भविष्य" । उन्होंने किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य को बचाए रखने के लिए संतुलित पोषक तत्व का उपयोग, प्राकृतिक खेती एवं आने वाले खरीफ में वर्षा जल संचयन हेतु खेत के निचले हिस्से में डोभे का निर्माण करने पर बल दिया। एसबीआई मांडू की शाखा प्रबन्धक श्रीमति प्रीति लता ने कहा कि वर्ष दर वर्ष वनों के पेड़ो की कटाई होते जा रही है पेड़ो की कमी के कारण वन्य जीव भटक कर हम आम जनों के बीच आ जा रहे हैं । जिससे उनके तथा हमारे जीवन का खतरा भी हो रहा है। पेड़ो की कमी के कारण तापमान निरंतर बढ़ते जा रहा है एवम वर्षा की कमी होती जा रही है। अतः हमें हर व्यक्ति को पेड़ लगाने एवम उनकी सुरक्षा के जागरूक होना तथा लोगों को भी जागरूक करना है। बाल विकास परियोजना अधिकारी, मांडू ने कार्यक्रम में शामिल सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को पर्यावरण के बारे समझते हुए पेड़ लगाने एवं अन्य आम जनों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए संकल्पित किया। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के परिसर में मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ कार्यक्रम में आए किसानों एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं ने फलदार वृक्षों का पौधारोपण किया तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम में आए सभी व्यक्तियों की बीच कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा एक-एक पौधा भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के डॉ. इंद्रजीत, सन्नी कुमार, शशि कान्त चौबे एवं रौशन कुमार, मांडू के उप मुखिया पंकज कुमार, मांडू प्रखण्ड के विभिन्न गांव के किसान एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं सहित 50 से अधिक लोगों ने रुचि के साथ भाग लिया।

विश्व
रण दिवस
मिट्टी, हमारा भविष्य
विज्ञान केन्द्र, रामगढ़
प्रेस एवं
मीडिया

श्री मोक्षसार चंजर मंजूरी